



Supplementary-Deed

This Supplementary-Deed is in addition to the Partnership Deed of Kalyan Construction executed on 30th December-1995.

Whereas the partner Shri Suresh Chand Sharma referred as 1st party in the original deed is having a land khasra no.75,76,77,78 situated at Village Nagla Kali, Tehsil Sadar, District Agra, having 2.4560 Hectares is hereby agree to bring such land as stock in trade in the firm Kalyan Construction at an agreed price of Rs 637300/- in the form of its capital share and the first party will have no personal interest in such land from the date of execution of this Supplementary-Deed..

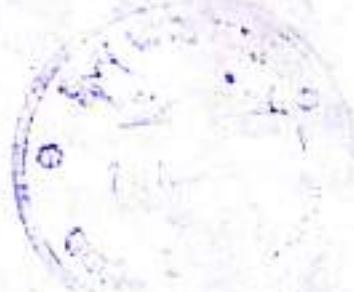
In witness whereof the parties after understanding contents of the supplementary deed, have signed this deed on 27.08.1996.

S. Sharma

क. मलेश्वर

20322
27-8-1996 (100) 9/221-
9/221-
Pic/aff - 1010000000
S/11127

Mr. Singh Bhambhani
Stamp Vendor,
Civil Lines, AGRA



ਤੁਹਾਨੂੰ

फोन: 08010101805

प्राप्त का नाम : अमाला केन्द्री

1 : 100

卷之三

निराम राजा नाम	निराम राजा	प्राचीन अधिकार	निराम के प्राचीन	प्राचीन	प्राचीन राजा
निराम का नाम	निराम	प्राचीन राजा	प्राचीन की राजा	प्राचीन	निराम राजा
प्राचीन राजा	प्राचीन	प्राचीन राजा	प्राचीन की राजा	प्राचीन	निराम राजा

1	2	3	4	5	6	7-12
तोः १-क	पृष्ठ नो संक्षणां पृष्ठाओं के अस्तित्व वे हो।					

मिलान	मिलान	मिलान
1400 दर्ज	66	0.2480
1400 लट्ट	75	2.0360
1400 घट्ट	76	0.0600
1400 लट्ट	77	0.0500
1400 घट्ट	78	0.3000
1400 घट्ट	105 ल	0.0120
1400 घट्ट	109 ल	0.0270
मुल गट्ट :	7 मुल हे :	2.7330
		72.40



न्यायालय उप जिलाधिकारी (सदर) आगरा।

वाद सं058/12-13

सुरेशचन्द्र

बनाम

उ0प्र0 सरकार

अ0धारा-143उ0प्र0ज0धि0 १८ भूव्यज0धि0

मौजा- नगला कली

तह0 व जिला- आगरा

३५

दाखिलेन्फल आदेश द्वितीय।

प्रार्थी सुरेश चन्द्र पुत्र श्योप्रसाद निरो ग्राम नगलाकली, आगरा द्वारा मौजा नगलाकली स्थित भूमि खाता सं099 गाटा सं075 रकवा 2.0360हे0, गाटा सं076 रकवा 0.0600हे0, गाटा सं077 रकवा 0.0500हे0, गाटा सं078 रकवा 0.3000हे0 कुल 4किता रकवा 2.4460हे0 भूमि को आकृषिक/आवादी घोषित किये जाने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया।

प्रार्थी के प्रार्थना पत्र को जॉच हेतु तहसीलदार सदर आगरा को भेजा गया। तहसीलदार सदर आगरा द्वारा क्षेत्रीय लेखपाल, नातहसीलदार, वरीली अठीर से स्थलीय निरीक्षण एवं अग्निलेखीय परीक्षण कराकर उनकी आख्या दि0 06.10.12 पर अपनी स्थलीय निरीक्षण संस्तुति सहित आख्या दि0 10.10.12 प्रस्तुत की। आख्या में उल्लेख किया गया है कि प्रश्नगत गाटा सं075/2.0360हे0, 76/0.0600हे0, 77/0.0500हे0, 78/0.3000हे0 कुल 4किता रकवा 2.4460हे0 लगा। ८१.९० पर सुरेश चन्द्र पुत्र श्योप्रसाद निरो ग्राम नगलाकली का नाम बर्तीर सं0भ० राजस्य अग्निलेखों/खत्तीनी में दर्ज हैं स्थल पर कायिज व दाखिल है। प्रश्नगत गाटा संख्या में कृषि, उधानीकरण, पशुपालन, मत्त्यसम्बद्धन एवं कुबुकुटपालन आदि का कार्य नहीं हो रहा है। आवादी का प्रयोग हो रहा है, सड़क आदि पड़ी, मकान आदि बनाये जा रहे हैं। प्रश्नगत गाटा संख्या पट्टे की नहीं है, सरकारी भूमि नहीं है। सार्वजनिक प्रयोग में नहीं है, जैसे तालाब, पांखा, किंविस्तान, घारागाह नहीं हैं। इन ही भूमि नजूल एवं राजकीय स्थान की है। तथा उक्त भूमि ग्राम सभा की भूमि की सीमा का अतिक्रमण नहीं हो रहा है। प्रश्नगत गाटा संख्या किसी भी प्रस्तावित योजना में अधिक्रित नहीं है। प्रश्नगत गाटा संख्या में वर्तमान में 1420फ० में कोई वृष्टि वार्य नहीं हो रहा है। प्रश्नगत गाटा संख्या के खातेदार अनु० जाति के सदस्य नहीं हैं। प्रश्नगत गाटा को लेकर कोई भी वाद किसी भी न्यायालय में विचाराधीन नहीं है, न ही राजस्य अग्निलेखों में कोई अनलदरामद है। अतः मौजा नगलाकली की खाता सं099 गाटा सं075/2.0360हे0, 76/0.0600 हे0, 77/0.0500हे0, 78/0.3000हे0 कुल 4किता रकवा 2.4460हे0 लगान 64.80 को उ0प्र0धि0 एवं भूव्य0 अधि0 की धारा 143 के अन्तर्गत अकृषिक भूमि घोषित किये जाने हेतु संस्तुति की है।

तहसील की उक्त आख्या को परिपेक्ष में पत्रावली पर उपलब्ध नियम 135(1) की सूचना, जिसे क्षेत्रीय लेखपाल, नातहसीलदार, तहसीलदार सदर आगरा द्वारा अपने हस्ताक्षर से सत्यापित किया है। साथ ही स्थल का नजरी नवशा, जिसमें प्रश्नगत भूमि लाल-राण-नाई से प्रदर्शित है, को क्षेत्रीय लेखपाल नातहसीलदार सदर आगरा द्वारा अपने हस्ताक्षर से सत्यापित किया है। नकल खत्तीनी सन्1419फ०-1424फ० में प्रार्थी का नाम सं0भ० के रूप में अंकित है। नकल खत्तीनी सन्1419फ०-1420फ० तथा प्रार्थी का रायथपत्र व स्थलीय फोटोग्राफ भी संलग्न कर नकल खत्तीनी सन्1419फ०-1420फ० तथा प्रार्थी का रायथपत्र व स्थलीय फोटोग्राफ से सन्तुष्ट होते हुए उक्त प्रश्नगत भूमि के खाता सं099 गाटा सं075 रकवा 2.0360हे0, गाटा सं076 रकवा 0.0600हे0, गाटा सं077 रकवा 0.0500हे0, गाटा सं078 रकवा 0.3000हे0 कुल 4किता रकवा 2.4460हे0 नागू 64.80पै। धारा 143 उ0प्र0ज0धि0 एवं भूव्य0 अधि0 के संपर्कित नियम 135(3) के अन्तर्गत अकृषिक भूमि घोषित की जाती है। तहसील आख्या अधि0 के साथ संलग्नक उक्त आदेश का अंग रहेंगे। तदनुसार प्रख्यापन जारी हो। पवाली वाद आ० कार्यवाही दाखिल दफ्तर की जाये।

TRUE COPY

For: Presiding Officer

Date: ०८/३/१३

(राजेश कुमार)
उप जिलाधिकारी (सदर)
आगरा।

द्वादशांशिकाल अवलोक्य

मुख्य विवर : नम्बर 09890 1010101090 : दिल्ली नंम्बर
प्राप्ति विवर : नम्बर 09890 1010101090 : दिल्ली नंम्बर

भाग - 1	प्रतिविक अधिकार प्राप्तम्	ज्ञाने के प्रत्येक	विवेद	विवेदन तथा अन्य भाग का प्राप्तम्
ने का फलती वस्तु	गांड की प्राप्ता	गांड जा	विवेद	सारांश तथा दिनांक लिखन
संस्था	संस्था	संस्था	संस्था	और अन्य हेते
(है)				याते अधिकारी का पद

7

४२४

11229

170.123.10.210 173.0.2.10 2020-07-27 10:44:47

— (2000)

प्रतिवेदन का नाम	प्रतिवेदन का नाम
प्रतिवेदन का नाम	प्रतिवेदन का नाम

मिना / अर्जन /
मंदसिंह का नाम

四

लोक विज्ञान

1

प्राचीन विद्या	प्राचीन विद्या	प्राचीन विद्या
प्राचीन विद्या	प्राचीन विद्या	प्राचीन विद्या
प्राचीन विद्या	प्राचीन विद्या	प्राचीन विद्या
प्राचीन विद्या	प्राचीन विद्या	प्राचीन विद्या
प्राचीन विद्या	प्राचीन विद्या	प्राचीन विद्या

الآن في كل مكان في العالم

उपरी निम्न संग्रहालय
गोदा देवालय

राजनीति संस्करण
संस्कृत विषयक
प्राचीन अनुवाद
प्राचीन अनुवाद
प्राचीन अनुवाद

Digitized by srujanika@gmail.com

卷之三

2020 年第 1 期

卷之三

卷之三

卷之三

卷之三

卷之三

२०० वार्षिक विवरण

३२२२-३२२३

१०-नक्त कर्ता १०-मिलान कर्ता १०-

TRUE-COPY

ଶିଥାପନ ଶକ୍ତିଶାଲ
ପିଲାମ୍ବିନ୍ଦୁ

Digitized by Google



PARTNERSHIP DEED

This Deed of Partnership has been executed on 30th December 1995 between:-

1. Shri Suresh Chandra Sharma, s/o. Late Sheon Prashad, aged about 37 year old, R/o. Village Nagla Kali, District Agra, hereinafter called the 1st PARTY.
2. Smt. Kamlesh, w/o. Shri Suresh Chandra Sharma, aged about 35 year old, R/o. Village Nagla Kali, District Agra, hereinafter called the 2nd PARTY.

AND WHEREAS both the parties hereto have joined their hands to carry the business as builder, developer, contractor, real estate agent etc. or any other business or services incidental or ancillary related to the construction business or any other business or businesses which the partner's may mutually decide to conduct and carry on from time to time in partnership under the name and style of KALYAN CONSTRUCTION.

Contd. on page (2)...

S. Sharma

का मालूम

11021

27-12-95

50)

સુરત રાજ્ય સર્વોધાર્મ યુદ્ધ માટે અધ્યક્ષ

અધ્યક્ષ મનુષ્ય
શરીર, વિદેશ,
માત્ર કાન્દું 4000



- 2 -

WHEREAS this deed is being executed to enumerate the terms and conditions settled in among the parties to this deed in writing.

NOW THIS DEED WITNESSETH AS UNDER:-

1. NAME OF THE FIRM: That business shall be conducted and carried under the name & style of KALYAN CONSTRUCTION.
2. PRINCIPAL PLACE: That the principal place of business of the firm shall be at NAGLA KALI, DISTRICT AGRA (U.P.). The partner shall be at liberty to open any branch or branches at any other place or places.
3. THAT the nature of business of the partnership firm shall be to carry the business as builders, developers, contractors, real estate agent etc. or any other business or businesses which the partners may decide and agree to commence with mutual consent.
4. FINANCIAL YEAR: That on 31st March each year the partnership books of account shall be closed and the profit or

Testimony

Contd. on page (3)...

अमरात्रा

4022 27-12-95 100) 23221 - 810.20 gmt 5th Jan 1996 1000 a.m.
8111411 A
Sister, Vanda,
West Africa 4.000

100Rs.



- 3 -

losses of the partnership business for the year or for the period for which the books shall be drawn up.

5. SHARE: That the Partners shall be entitled to share profits and liable for losses of the partnership business (including loss of capital shall be divided among the partners) as under:

1. Shri Suresh Chandra Sharma	50%
2. Smt. Kamlesh	50%

6. CAPITAL: All the partners contribute capital as per the requirement and need of the firm.

7. POWER: That it is expressly decided between the parties that all the business of the firm shall be jointly done by the parties. Executing of any agreements or major decisions taken by the firm will be done jointly under the signatures of both the partners.

8. BANK ACCOUNT: The Bank account shall be opened in the name of the firm and shall be operated by either of the one with the mutual consent.

S. Suresh

कृष्ण लाल

Contd. on page (4)...

ank

2023/12/27 100) $\sqrt{221} = 15.221$ निम्नलिखित विवरों का अनुसार निम्नलिखित विवरों का अनुसार

Mr. H. G. Gaskins
Stamp Vendor,
447 South, A.G.R.



- 4 -

9. That the partnership firm shall pay interest @ 12% p.a. or at the rates, as may be prescribed under the Income Tax Act 1961 from time to time on the credit balance of the partners and shall be credited at the end of the relevant accounting year, out of which they shall be entitled to withdraw the money during the year from time to time in addition to their other usual withdrawals as per mutual consent. The parties may decide to charges interest @ Nil or at lower rate than 12% in case of Lower profit or even otherwise as they deem it fit and proper. In case of loss it may also decide not to give any interest. in case of debit balance the interest may be charged accordingly. In this matter entries made in the books of accounts of the firm shall be exclusive evidence of the intention of the partners and shall be deemed to have made as per terms of the partnership deed.
10. That both the parties are working partners therefore all the parties can/shall charge salary as permissible under the provision of section 40(b) of the Income Tax Act 1961, restricted to the amount of profit of the

Lesherma

Contd. on page (5)...

कमलेश

firm. The parties will be at liberty to withdraw the same either monthly or annually or otherwise as they deem fit. That the aggregate amount of remuneration payable to working partners will be the maximum amount allowable as deduction under the provision of the Income Tax Act, 1961. The said remuneration shall be distributed as per the profit sharing ratio among the partners.

On the First Book Profit 90% of book profit of Rs. 75000/- or in case of Rs. 50000/- whichever is loss. more.

On the next Rs. 75000/- at the rate of 60% of book profit.

On the balance of book at the rate of 40% profit.

The partners shall be entitled to increase or reduce the above remuneration by executing a supplementary partnership deed. They may also revise the mode of calculating the above said remuneration as may be agreed to by and between the partners from time to time.

11. DUTIES: That no partner can sell mortgage assign or in any way transfer any property movable or immovable of the firm or raise loans in the name of the firm for the personal gains or benefits.

12. The firm can borrow money/accepted deposits from bank

Seshayya

Contd. on page (6)...

रामलौटी

financial institutions and any other parties on interest or without any interest or any other terms as may decide at that time. The cost of raising this finance shall be borne by the firm exclusively. This firm shall not be responsible in any case for any loan/losses taken or occur by the partners in their individual/joint capacity or by the partners individually or jointly in any other firm/Co.

13. RETIREMENT/DEATH: No partner shall be entitled to press for the dissolution of the firm. If at time a partner desire to retire from the partnership business then he or she shall be allowed to retire with consent of the other partners. In case of death of a partner the firm shall not stand dissolved ipso-facto but the firm shall be continued as mutually decided by the remaining partners with or without the legal heir(s) of the deceased partner. The retiring partner/heirs of the deceased partner shall be paid the capital of the said partner and accumulated profits of with the firm but they shall not be entitled for any goodwill or appreciation in the value of the properties of the firm.
14. That the first and second party shall have the first right of stopping the business affairs of the firm in case of non-payment of more than three continuing installment of bank finance to recover the amounts due to any banks, financial institutions, from the assets of the firm introducing additional capital by

Contd. on page (7)...

Sathyanarayana

974197

partners, either directly or by sell the same for their (banks etc.) repayment only.

15. THAT the Goodwill of the partnership concern shall be the property of the firm, and no retiring partner or legal representative of a deceased partner shall be entitled to pay any claim in respect of the same. The retiring partner or legal heir of deceased partner shall be paid the balance lying to his/her credit as per the mutual agreement.
16. THAT the partnership firm shall not be responsible for any individual loan, liability or encumbrance of any of the partners.
17. THAT the partners of the firm shall be bound to carry on the business of the firm to the greatest common advantage, shall be just and faithful to each other, and shall also render to them accounts and full information of all things affecting to the firm to the other partner or representatives as the case may be.
18. THAT the partners shall indemnify the firm to any loss caused to it by his gross negligence or fraud in the conduct of business of the firm out of his own account or personally, as the case may be.
19. THAT the partners shall be entitled to modify the above terms by executing a supplementary deed(s) and such deed(s) when executed shall have effect unless otherwise provided, from the first day of accounting

S. S. S. S. S.

Contd. on page (8)...

97 H C 97

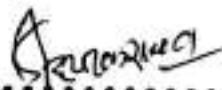
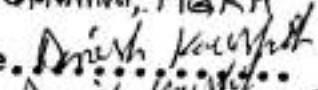
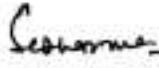
period in which such supplementary deed(s) is executed and the same will form part of this deed of partnership.

20. ARBITRATION: That in case of any dispute arising during the currency of this partnership or afterwards or in regard to interoperation of the terms and conditions of this deed and in general relating to any matter in regard to this partnership business the same shall be referred to a sole Arbitrator to be mutually appointed by the partners and shall be governed by the provision of the Indian Arbitration Act.
21. THAT the provisions of the Indian partnership Act shall be applicable to this partnership unless they are repugnant to the context and the express terms and conditions contained in this Deed.

IN WITNESS WHEREOF, the parties after understanding the contents of this Deed, have signed this Deed of Partnership on this day of 30th day of December 1995.

Witnesses:

Signature's of the parties:

1. Signature..... 
Name DAU DAYAL RAWAT
S/o. (late) Shri. Bansiyal Rawat
R/o. Vill- KAHARAI, AGRA
2. Signature..... 
Name Kamlesh Rawat
S/o. Shri Suresh Chandra Khan (Smt. Kamlesh)
R/o. 133, Paghraur Phirw
Kashish Madras
Agra
1. 
(Suresh Chandra Khan)
2. 